सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, मंगलवार, 20 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 142, पृष्ठः 8+4

इनसाइड आत्महत्या रोकने को आईआईटी में बन रही योजनाएं... » Pg03

दुश्मन को ऐसा सबक सिखाया... याद रखेगा : सीएम योगी

» Pg12

पुलिस का लोगो लगाकर हो रही कानपुर में डीजल तस्करी

शहर से देहात तक निडरता से हो रही तस्करी

गोगोमऊ से टिकरा तक फैला सिंडिकेट का जाल

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» शिवांक अग्निहोत्री, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर देहात के गजनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत पामा चौकी क्षेत्र के गोगोमऊ गांव में हिंदुस्तान पेट्रोलियम डिपो के आसपास की जमीनों पर अवैध डीजल कारोबार की जड़ें गहरी हो चुकी हैं। ग्रामीणों द्वारा पार्किंग के लिए दी गई जमीन का उपयोग अब माफियाओं द्वारा डीजल चोरी और तस्करी के लिए किया जा रहा है। इस पूरे अवैध रैकेट को कानपुर के बिठूर थाने के अंतर्गत आने वाले टिकरा पुलिस चौकी क्षेत्र निवासी महेंद्र पाल और उसका बेटा संचालित कर रहा है जिसे पहले उसका भाई संचालित करता था। महेंद्र पाल का भाई नन्हे पाल अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन अवैध कारोबार की बागडोर अब अमन पाल ने संभाल ली है, जिसे इलाकाई पुलिस का कोई डर नहीं है।

जिस बोलेरो वाहन (यूपी77-पी-5269) से डीजल की तस्करी की जा रही थी, उसके पिछले हिस्से पर लाल और नीले रंग का पुलिसिया सिंबल चिपका हुआ था, जो इस अवैध धंधे को खुलेआम सरकारी संरक्षण का रूप देता है। आम जनता और जांच एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए माफियाओं ने यह चालाकी भरा हथकंडा अपनाया है। यह सिंबल सिर्फ गाड़ी को नहीं, बल्कि इस पूरे रैकेट को स्थानीय पुलिस की छाया में पलने का सबूत बना देता है। क्योंकि डीजल के अवैध कारोबारी का निवास स्थान और तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही गाड़ी बिना किसी डर के सरे आम प्रतिदिन घूमती है जिस कारण टिकरा पुलिस चौकी की भूमिका अब सवालों के घेरे में है, क्योंकि जब अवैध डीजल से लदी खोखली गाड़ियां पुलिस के सिंबल के साथ चौकी क्षेत्र में बेरोकटोक घूम रही हों, तो इसमें विभागीय मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता।

ऐसे में टिकरा पुलिस चौकी पर सीधा सवाल उठता है कि क्या यह चौकी डीजल माफ़ियाओं की ढाल बन चुकी है? यह जांच का विषय है।

बोलेरो में पुलिस का सांकेतिक चिन्ह लगाकर धड़ल्ले से हो रही डीजल तस्करी। बोलेरो के अंदर भरे पड़े अवैध डीजल के कैन।

डीजल तस्कर अमन पाल और अंशू बिना किसी खौफ के करते हैं अवैध डीजल तस्करी।

दी बधाई

रक्षा मंत्री से मिले मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष

ऑपरेशन सिंदूर को पाठ्यक्रम में शामिल करने की कही बात

रुड़की (हरिद्वार), स्वराज ब्यूरो। उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने कहा कि उत्तराखंड मदरसा बोर्ड अपने नए पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को शामिल करने पर विचार कर रहा है।

उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने मंगलवार को दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और सूफियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद रहा। मुफ्ती कासमी ने रक्षा मंत्री को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर करारा प्रहार किया है। मुफ्ती कासमी ने जानकारी दी कि उत्तराखंड मदरसा बोर्ड अपने नए पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को शामिल करने पर विचार कर रहा है। जिससे मदरसों में पढ़ने वाले छात्र भी देश की सैन्य उपलब्धियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकें।

हांगकांग-सिंगापुर के बाद कोरोना भारत में फिर आया

मुंबई में मिले 53 मरीज, समीक्षा बैठक में स्थिति को फिलहाल नियंत्रण में बताया गया, भारत की जनसंख्या को देखते हुए मरीजों की संख्या बहुत कम

» नई दिल्ली, स्वराज ब्यूरो।

सिंगापुर और हांगकांग जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में कोबिड-19 के बढ़ते मामलों ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी है। आज मुंबई में बोराना के 53 मामले सामने आए हैं।

जनवरी 2020 के बाद से कोरोनावायरस SARS-CoV-2 के कारण दुनिया भर में कोविड-19 महामारी फैल गई थी जिसके कारण दुनियाभर में लाखों की जाने गई थीं। यह वत्यरस सास, आंख, नाक और मुंह के जरिए शरीर में प्रवेश कर रहा था। 30 जनवरी 2020 को भारत में कोरोना का पहला मामला सामने आया था. तब चीन के बुहान शहर से लौटा एक मेडिकल छात्र कोरोना से संक्रमित मिला था। पिछले कुछ समय से इसके मामले सामने नहीं आ रहे थे लेकिन हाल ही में सिंगापुर और हांगकांग जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी है।

आज मुबई में भी 53 मामले सामने आए हैं। ऐसे में बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन (बीएमसी) ने एशिया के कुछ हिस्सों में बढ़ते मामलों के बावजूद, शांति बनाए रखने और निगरानी जारी रखने का आगाह किया है। साथ ही नागरिकों को सलाह दी कि अगर कोविड के लक्षण दिखाई दें तो वे मेडिकल हेल्प लें।

19 मई को नैशनल सेंट्रल फॉर डिसीज कंट्रोल (एनसीडीसी), इमरजेंसी मेडिकल रिलीफ डिविजन (ईएमआर), डिजास्टर मैनेजमेंट बेल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर)और सेंट्रल गवमेंट के हॉस्पिटल्स के एक्सपर्ट्स ने डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेस की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में निष्कर्ष निकाला गया कि भारत में वर्तमान कोविड 19 स्थिति नियंत्रण में है। 19 मई, 2025 तक, भारत में सक्रिय कोविड-19 मामलों की संख्या 257 है जो देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम आंकड़ा है।

भारत के कई राज्यों में बढ़ रहे मामले

इस बीच,भारत में भी तेजी से आंकड़े बढ़ रहे हैं। 12 मई से अब तक कोरोना के 164 नए मामले सामने आने के साथ ही कुल 257 सक्रिय कोविड मामले हो गए हैं। जिनमें केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु सबसे आगे हैं। इस मामले पर अब स्वास्थ्य मंत्रालय का भी जवाब आया है।

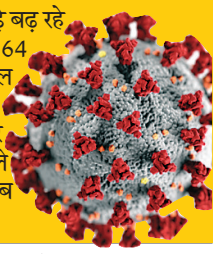

गोहलियापुर में समर कैंप का हुआ उद्घाटन

गोहलियापुर के कम्पोजिट विद्यालय में खेल व रचनात्मक गतिविधियों की धूम

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। कम्पोजिट विद्यालय गोहलियापुर में ग्रीष्मकालीन समर कैंप का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न रचनात्मक एवं शारीरिक विकास से संबंधित गतिविधियों की शुरुआत की गई।

विद्यालय में बड़े खेल मैदान की अनुपलब्धता के कारण खेल-कूद की गतिविधियाँ पास के फौजी तिराहा स्थित मैदान में आयोजित की जा रही हैं।

यहाँ कोच इन्शु एवं विद्यालय के पूर्व छात्र शिवम गोपाल और प्रांशु द्वारा बच्चों को कबड्डी, गोला फेंक, दौड़, कुश्ती, हाई जंप जैसी खेल प्रतियोगिताओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

साथ ही विद्यालय की सहायक अध्यापिका श्रीमती आशा कटियार द्वारा बच्चों को ऑनलाइन पेंटिंग का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शिक्षा मित्र वंदना कटियार एवं विजयलक्ष्मी बच्चों को योगाभ्यास की विधियाँ सिखा रही हैं।

समर कैंप के उद्घाटन समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार के साथ श्री शशांक, श्रीमती आशा कटियार, श्रीमती उषा सिंह पाल, वंदना कटियार, विजयलक्ष्मी, निधि कटियार, मांडवी सिंह सहित विद्यालय के कई पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

समर कैंप आगामी 15 दिनों तक विभिन्न खेल, कला, योग एवं रचनात्मक गतिविधियों के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु संचालित किया जाएगा।

कंपोजिट स्कूल सिहुरादाराशिकोह में भी हुआ आयोजन

बिल्हौर । सिहुरादाराशिकोह में आज समर कैंप का भव्य शुभारंभ विद्यालय के भूतपूर्व प्रधानाध्यापक अमृत लाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कैंप में कबड्डी, हाई जंप जैसी खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पेंटिंग एवं ऑनलाइन गतिविधियों का संचालन किया गया। समाज के सहयोग से बच्चों को ढोलक, हारमोनियम तथा अन्य वाद्य यंत्रों की जानकारी दी जा रही है। योगाभ्यास का प्रशिक्षण बाबूलाल द्वारा कराया जा रहा है। वहीं विज्ञान के प्रयोग निधि कटियार द्वारा सिखाए जा रहे हैं। समारोह में विनोद पाल, निधि कटियार, पूर्व छात्र निखिल एवं अभिनव विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से यह समर कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गर्मी से टमाटर को आहार मिला कम, आकार हुआ छोटा

कानपुर। इस बार समय से पहले पड़ी तेज गर्मी ने टमाटर की फसल पर सीधा असर डाला है। अंतिम दौर पर पहुंच चुकी टमाटर की फसल इससे खासतौर पर प्रभावित हुई है। वैज्ञानिकों ने इसकी वजह गर्मी की वजह से टमाटर की पतियों का जल्द गिर जाना माना है। उनका कहना है कि पतियों के गिरने से टमाटर की फसल को उचिव आहार नहीं मिल सका।

बाजार में आने वाले अंतिम फसल के टमाटर अपने औसत आकार से छोटा आया है। आकार में छोटा होने के चलते उसे खरीदार भी कम मिले हैं। इस पर कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि नवंबर में बोया गया टमाटर मार्च के अंतिम सप्ताह और अप्रैल में समय से पहले पड़ी गर्मी से प्रभावित हुआ। समय से पहले बढ़े तापमान की वजह से टमाटर की पतियां सूख गई। इससे टमाटर की फसल को पतियों से मिलने वाला जरूरी आहार जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व पूरी मात्रा में नहीं मिल सके। इसका प्रभाव टमाटर के आकार पर पड़ा।

अहिल्याबाई की जयंती पर प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर बीआरडी इंटर कॉलेज बिल्हौर कानपुर नगर में आज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीया श्रीमती मनोरमा कठेरिया ब्लॉक प्रमुख बिल्हौर तथा श्रीमती दीप्ति सिंह जिला महामंत्री महिला मोर्चा ग्रामीण तथा डॉ अजय मोहन शुक्ला क्षेत्रीय संयोजक कानपुर बुंदेलखंड शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ भाजपा तथा पार्षद बिल्हौर पदम कटियार की उपस्थिति में छात्राओं की दौड़ रेस तथा रंगोली कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

प्रतिभागी छात्राओं को ब्लॉक प्रमुख द्वारा पुरस्कृत किया गया। जिसमें दौड़ रेस

में प्रथम स्थान श्वेता द्वितीय स्थान संध्या तथा तृतीय स्थान काजल तथा रंगोली कार्यक्रम में प्रथम स्थान रोमी द्वितीय स्थान वैष्णवी तथा तृतीय स्थान आशी को मिला।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार द्वारा सभी का स्वागत करते हुए छात्राओं का उत्साह वर्धन किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक श्री संतोष कटियार रामेंद्र पाल अखिलेश बाबू खेल शिक्षक तथा रंगोली प्रतियोगिता में अनिल कुमार शिवम कुमार कुमारी ज्योतिसना तथा अभय त्रिपाठी तथा समस्त शिक्षक/कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनएचआरसी के सख्त तेवर: आत्महत्या रोकने को आईआईटी में बन रही योजनाएं

» 30 दिनों में 3 छात्रों की आत्महत्या और 19 सालों में 15 घटनाओं पर शहर के इंजीनियर पंकज कुमार सिंह ने एनएचआरसी कोर्ट में दाखिलकी थी याचिका
एनएचआरसी कोर्ट ने आईआईटी निदेशक सहित सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी भारत सरकार को भी नोटिस भेज तलब किया था

डिग्री के साथ ये विकल्प भी मिलेंगे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप, संस्थान ने छात्रों को उनके द्वारा किए गए ऐसे पाठ्यक्रमों के संबंध में उचित प्रमाणपत्र/डिप्लोमा के साथ अपने संबंधित कोर्स से बाहर निकलने का विकल्प दिया है। ऐसे में किसी परिस्थिति में कोर्स पूर्ण न होने की दशा में छात्र के कोर्स की मेहनत जाया नहीं जाएगी। वहीं पीएचडी कार्यक्रमों में नए प्रवेशित छात्रों के लिए, संस्थान ने पहले सेमेस्टर में उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उन्हें उनके कोर्स से पृथक नहीं करने की नीति लागू की है।

एनएचआरसी कोर्ट में लंबित याचिका

छात्रों के न्याय के लिए लड़ने वाले याची पंकज कुमार सिंह की दूसरी याचिका पर सुनवाई चल रही है। विगत दिसंबर मास 2024 से जनवरी 2025 के मध्य 30 दिनों में तीन आत्महत्या की घटनाओं और 15 विगत 19 सालों की घटनाओं की जाँच और मृतकों के परिजनों के न्याय के लिए याचिका पर एनएचआरसी कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/नई दिल्ली। शहर के सोशल एक्टिविस्ट पंकज कुमार सिंह की याचिका पर नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी कोर्ट) का डंडा चला और सख्त तेवरों के साथ जवाब तलबी हुई तो आईआईटी कानपुर की नींद टूटी है। आईआईटी कानपुर में विगत 19 सालों से साल दर साल हो रहीं छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं को रोकने की कवायद शुरू कर दी है।गत 16 मई को एनएचआरसी कोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान आईआईटी कानपुर की ओर से रजिस्ट्रार विश्वरंजन ने जवाब प्रस्तुत किया. जिसमे बताया गया कि छात्रों के समग्र कल्याण और शैक्षणिक जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। जिसमे समर्पित काउंसलर्स की टीम 24 घंटे उपलब्ध रहती है।

इसी के साथ सुसाइड प्रिवेंशन ऑफ इंडिया फाउंडेशन (एसपीआईएफ) के विशेषज्ञों द्वारा छात्रों, शिक्षकों और अन्य संस्थान इकाइयों के लिए आत्महत्या की रोकथाम के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि स्ट्रेस मैनेजमेंट पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानसिक स्वास्थ्य विषयों पर कार्यशालाओं और सेमिनारों के माध्यम से जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं।आईआईटी रजिस्ट्रार विश्व रंजन ने खुदकुशी की घटनाओं की रोकथाम के लिए संस्थान के स्तर पर बनी योजनाओं के क्रियान्वयन की 18 बिंदुओं की क्रमवार लिखित रिपोर्ट याची के मुद्दों पर एनएचआरसी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की है। कोर्ट ने कहा कि आगे बढ़ने से पहले, रिपोर्ट की एक प्रति याची को चार सप्ताह के भीतर टिप्पणी हेतु भेज दी जाए।

> आईआईटी कानपुर द्वारा एनएचआरसी कोर्ट में प्रस्तुत किये गए जवाब की प्रति प्राप्त हुई है। इसपर हमारी टिप्पणियों के लिए एनएचआरसी ने 23 जून 2025 कि तिथि नियत की है। छात्रों के न्यायहित में हमारा प्रयास जारी रहेगा।
>
> **पंकज कुमार सिंह, याचिकाकर्ता**

सात घंटे की रिमांड पर दीनू को लेकर पुलिस ने की पूछताछ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बसपा नेता पिंटू सेंगर मर्डर केस में आरोपी दीनू उपाध्याय उर्फ धीरज को 7 घंटे की रिमांड पर लिया गया. जेल से निकलते ही दीनू फूट फूट कर रोने लगा. टीम के वजह पूछने पर दीनू ने कहा कि एक दिन था जब मेरे साथ एडवोकेट्स की फौज चलती थी. टीम जब मेडिकल के बाद उसे लेकर कैंट थाने पहुंची वहां भी किसी एडवोकेट को न देखकर दीनू फूट फूट कर रोया. इसके बाद टीम उसे लेकर जब उसके घर पहुंची तो वह घर में घुसते ही मेरी भतीजी का पाप भोग रहा हूं कहकर रोने लगा. टीम ने किसी तरह से उसे संभाला और घर की तलाशी ली.

पिंटू सेंगर मर्डर को लेकर पुलिस के मुताबिक पूछताछ में दीनू ने भटकाने का प्रयास किया. बहुत छिपाने की कोशिश की लेकिन जब टीम ने इविडेंस सामने रखे तो वह टूट गया और उसने पिंटू सेंगर मर्डर से जुड़ी सारी जानकारी, महफूज, सऊद और पप्पू स्मार्ट से रिलेशन की जानकारी दी. साथ ही ये भी बताया कि उसने किस तरह से इस हत्या में शामिल दूसरे लोगों से संपर्क किया. संपत्ति के विषय में जानकारी करने पर दीनू ने पुलिस को भटकाने की कोशिश की लेकिन कड़ी पूछताछ और इविडेंस सामने रखने पर वह टूट गया और उसने संपत्ति की जानकारी के साथ-साथ अपने कुछ साथियों के नाम भी बताए.

ऑफिस और आवास में भी परेशान दिखा

ऑफिस से घर ले जाने पर दीनू एक बार फिर रोने लगा. वजह पूछने पर उसने बताया कि वह अपने भाई के पापों की सजा भुगत रहा है. बहुत पूछने पर भी कुछ नहीं बताया. वहीं पुलिस के मुताबिक 2021 में दीनू की भतीजी की गोली लगने की वजह से मौत हो गई थी. जिसमें पुलिस को जानकारी दिए बिना उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया था. जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अपनी जांच शुरू की थी, जिसमें पुलिस ने जिस पिस्टल से गोली चली थी, उसे कब्जे में लेकर कार्रवाई की थी. डीसीपी ईस्ट और डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि इस मामले में सीनियर ऑफिसर्स को जानाकारी दी गई है. नए सिरे से जांच की जाएगी. इस मामले में विवेचना में जो लापरवाही की गई थी, उस विवेचक के खिलाफ भी कार्रवाई करने के लिए कहा गया है.

7 घंटे की मिली थी रिमांड

बसपा नेता पिंटू सेंगर मर्डर केस के आरोपी दीनू उपाध्याय उर्फ धीरज को 7 घंटे की रिमांड पर लेकर जाजमऊ पुलिस रैना मार्केट पहुंची. इस दौरान रैना मार्केट छावनी बना रहा. करीब 45 मिनट तक दीनू के दफ्तर में पुलिस ने जांच पड़ताल की. इसके बाद दीनू को नवाबगंज थाने लेकर गई. जहां जहां से पिंटू सेंगर हत्याकांड के इविडेंस मिल सकते थे, वहां दीनू को लेकर पुलिस पहुंची.

बैठक में अभद्रता करने वाले सभासद के खिलाफ कार्रवाई की मांग

» ईओ,चेयरमैन समेत कई सभासद पहुँचे एसडीएम ऑफिस और थाने

बाबू को घटना के पांच दिन बाद कार्रवाई की याद आई

मीडिया के सामने ऑन कैमरा कुछ भी बोलने से बच रहा है बाबू

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बीती 14 मई को नगर पालिका बिल्हौर में चल रही 25-2026 बजट सत्र की बैठक के दौरान बवाल करने तथा मर्यादाओं को लांघने वाले वार्ड नंबर एक के भाजपा सभासद अतुल सांवरे के खिलाफ कार्रवाई की माँग को लेकर सोमवार को ईओ,चेयरमैन व पीड़ित बाबू दर्जन भर सभासदों को लेकर तहसील पहुँचे। वहाँ एसडीएम रश्मि लाम्बा से मिले और कार्रवाई कराने का ज्ञापन सौंपा। इसके बाद कोतवाली पहुंचकर कोतवाल अशोक कुमार सरोज को प्रार्थना पत्र देकर सभासद के खिलाफ केस दर्ज कराने की माँग की है।

गौरतलब है कि बीती 14 मई को नगरपालिका सदन में 2025-26 के बजट को लेकर बैठक चल रही थी। जिस पर सभासद अतुल सांवरे ने कार्यालय के बाबू जीतेन्द्र सिंह से कुछ बिंदुओं पर जानकारी मांगी। जिस पर बाबू ने अध्यक्ष व ईओ के निर्देशानुसार जानकारी से बाद में अवगत कराने को कहा। जिसके बाद वाद -विवाद खड़ा हो गया । इतने में सभासद आग बबूला हो गए और बाबू की मेज पर चढ़ते हुए बोतल मार दी और चेयरमैन को चीर देने की धमकी दे डाली। ईओ ने पुलिस को बुलाकर मामले को शांत कराया। घटना का वीडियो सोशल प्लेटफॉर्म पर खूब वायरल हुआ। जिसने नगर पालिका की खूब किरकिरी कर के रख दी। उस समय नगर पालिका प्रशासन ने

सभासद के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया। डीएम के समाधान दिवस में सभासद अतुल सांवरे, पदम कटियार, लल्ला राठौर बिल्हौर ब्लॉक सभागार पहुँचे और भ्रष्टाचार की उनकी जो लड़ाई है उससे संबंधित शिकायत डीएम से की थी। जिसके बाद सोमवार को नगर पालिका ईओ अंजनी मिश्रा, चेयरमैन इखलाख खान के साथ बाबू जीतेन्द्र सिंह समेत कई सभासद एसडीएम कार्यालय पहुँचे। और उपजिलाधिकारी रश्मि लाम्बा से सभासद अतुल के खिलाफ कार्रवाई की माँग की। इसके बाद बिल्हौर थाने पहुँचे और इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज को प्रार्थना पत्र देकर केस दर्ज करने की माँग की है। इंस्पेक्टर ने अधिकारियों से बात कर आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। मामले में ईओ अंजनी मिश्रा से सवाल किया गया कि आखिर पांच दिन बीत जाने के बाद पुलिस में शिकायत क्यों की तो उनके द्वारा जबाव दिया गया कि सभासद ने सदन में जो हंगामा किया वह माफ़ी मांगने को कह रहे थे। लेकिन उनके द्वारा माफ़ी नहीं मांगी गई। उधर बाबू जीतेन्द्र सिंह ने घटना के संबंध मे कुछ भी बोलने से मना कर दिया है। यहां तक कि जो प्रार्थना पत्र दिया गया। उसके विषय में भी कैमरे के सामने बोलने से मना कर दिया। चेयरमैन

बाबू का व्यवहार सम्मानजनक नहीं-सूत्र

सूत्र बताते हैं कि बाबू जीतेन्द्र सिंह का व्यवहार कुछ सभासदों के प्रति सम्मानजनक नहीं रहता है। ऐसे में उन सभासदों की बाबू से पटती नहीं है। बाबू किसी तरह के अहम में रहता है।

फेसबुक पर छिड़ गई जंग

सभासद द्वारा सदन में बवाल का वीडियो वायरल होने के बाद पूर्व चेयरमैन के सक्रिय समर्थको ने फेसबुक पर शेरो शायरी समेत कई पोस्ट कर मौजूदा चेयरमैन की खूब खिंचाई की तो वहीं मौजूदा चेयरमैन के समर्थको ने पोस्टों की काट में कई पोस्ट कर पूर्व चेयरमैन के कार्यकाल को याद दिलाया कि कैसे लोगों पर मुकदमें दर्ज हुए थे।

ने कहा कि प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की माँग की गई है। मामले में सभासद अतुल ने बताया की सदन की बात सदन तक ही रहनी चाहिए थी। मेरे पास भी वीडियो है।मैंने अभी नहीं वायरल करवाए हैं।मुझे पहले धमकी दी गई थी। मैंने ईओ,चेयरमैन व बाबू के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाने में प्रार्थना पत्र दिया है।

दक्षिण में जलसंकट गहराया, खाली बाल्टी लेकर किया प्रदर्शन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। पारा बढ़ते ही दक्षिण क्षेत्र के जूही गढ़ा, नयापुरवा में पीने के पानी की समस्या शुरू हो गई है। सोमवार को जलसंकट से जूझ रहीं महिलाओं ने खाली बाल्टी लेकर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने जल संस्थान मुर्दाबाद, जूही क्षेत्र को पानी दो, के नारे लगाए। पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने कहा कि अगर 24 घंटे के भीतर जलाआपूर्ति नहीं कराई गई तो महिलाओं के साथ मुख्यालय में कपड़े धोकर प्रदर्शन किया जाएगा।

भीषण गर्मी शुरू होते ही शहर में पेयजल संकट खड़ा होने लगा है। पानी की सप्लाई बाधित होने से क्षेत्रों में पानी के लिये हाहाकार मच रहा है। जूही गढ़ा में पानी की सप्लाई न होने की वजह से क्षेत्रीय भाजपा पार्षद शालू सुनील कनौजिया के साथ क्षेत्रीय महिलाओं ने खाली बाल्टियां लेकर जूही गढ़ा में प्रदर्शन किया। पार्षद ने बताया कि बीते 6 माह से नयापुरवा में वाटर लाइन नहीं डाली गई।

कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब गर्मी आते ही जूही गढ़ा व नयापुरवा में पेयजल संकट खड़ा हो गया है, जिससे वार्ड की करीब 15 हजार की आबादी प्रभावित है। उन्होंने कहा कि अगर 24 घंटे के अंदर पानी की आपूर्ति नहीं कराई तो जलकल मुख्यालय में सैकड़ों महिलाओं के साथ प्रदर्शन कर कपड़े धुले जाएंगे। इस दौरान प्रदर्शन में शशि कला, रजनी, पूनम जायसवाल, सुमन जायसवाल, रोशनी, लक्ष्मी यादव, स्नेह लता मौजूद रहीं।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर की जनसुनवाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कार्यालय में जनता/फरियादियों की समस्याओं को सुनकर यथा संभव मौके पर ही निस्तारित किया जा रहा है । शेष शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया जा रहा है। उनकी कार्यशैली जनता में विश्वास पैदा कर रही है।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

पुलिस व खुफिया एजेंसियां बढ़ाएं चौकसी

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा देते हैं। देश के भीतर ये दुश्मन बेहद घातक हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के कुछ लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। ये तत्व न केवल जासूसी में लिप्त थे बल्कि भारत विरोधी प्रचार का भी हिस्सा थे। जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की रहने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां ज्योति को एक खुफिया एजेंट के रूप में तैयार कर रही थीं। वह सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके।निस्संदेह, भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान करने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। निस्संदेह, इन लोगों की परवरिश में कहीं चूक रही है जो इन्हें यह बोध नहीं करा सकी कि चंद पैसों व सुविधाओं के लालच में देश के साथ गद्दारी नहीं करनी चाहिए। निश्चय ही यह खुलासा राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। आने वाले वक्त में कई ऐसे जासूसों का खुलासा हो सकता है, जो आतंकवादियों को भारत की धरती पर हमला करने का इनपुट दे रहे हों।

केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए ताकि देश मे छुपी इन काली भेड़ों को बाहर किया जा सके। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। वह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति का इस्तेमाल न केवल जासूसी के लिये कर रहा था बल्कि भारत के खिलाफ प्रचार तथा पाक की छवि को सुधारने के लिये भी कर रहा था। ज्योति पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिये पाक की उजली छवि गढ़ रही थी। आरोप ये भी कि उसकी एक पाक खुफिया अधिकारी से अंतरंगता रही है, जिसके साथ वह बाली घूमने भी गई थी।

विराट और उनकी कालजयी विराटता

प्रदीप मैगजीन

वह विराट, जो चुनौतियों में फला-फूला था और जिसे तगड़ा मुकाबला पसंद था, आखिरकार उसने खुद को यह समझा लिया कि अब मैदान से हटने और जीवन में आगे बढ़ने का समय आ गया है। जीवन में 'केवल' क्रिकेट के अलावा भी बहुत कुछ है।हर वह चीज़ जिसकी शुरुआत है, उसका अंत भी है, चाहे वह जीवन हो या खिलाड़ी का करियर। इन दो छोरों के बीच, सफलता-असफलता, खुशी-गम, जीत-हार के साथ जीवन संघर्ष अपने आप में एक अप्रत्याशित यात्रा है। खेल की दुनिया में, रिटायरमेंट चाहे मजबूरी में हो या स्वेच्छा से, वह अंतिम मुकाम है, जहां पर खेल-यात्रा खत्म हो जाती है।टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली की पारी खत्म हो गई है। कई लोगों का मानना है कि यह समय से पहले लिया गया फैसला है, जबकि कोहली का मानना है उनके पास टेस्ट क्रिकेट की कठिन दरकारों में सफल होने के वास्ते जो ऊर्जा, मानसिक शक्ति और कौशल होना चाहिए, खासकर इंग्लैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में, अब पहले जैसा नहीं रहा। यहां तक कि दस हजार टेस्ट रन का मील का पत्थर, जो कि बहुत करीब था, वह भी इंग्लैंड जाने और क्रिकेट के मैदान पर अपनी ज्वलनशील ऊर्जा को बाहर निकालने का पर्याप्त लालच न बन पाया।

कोहली अब 36 वर्ष के हैं, दो बच्चों के पिता हैं। उनकी जीवन संगिनी फिल्म स्टार अनुष्का हैं, जिन्होंने एक व्यक्तित्व के रूप में उनके विकास में बहुत योगदान दिया है। जीवन के बही-खाते में, यह एक ऐसी उम्र है जब पूरी दुनिया आपके आगे होती है, पीछे नहीं। लेकिन एक खिलाड़ी के जीवन में, यह वह उम्र होती है जहां करिअर का अंत सामने नज़र आने लगता है। मन चाहे करे, लेकिन शरीर साथ नहीं देता। हालांकि, कोहली के मामले में इसका उल्टा है। टेस्ट क्रिकेट में उनकी फॉर्म भले ही पहले जितनी न रही हो लेकिन उनकी फिटनेस का स्तर किसी किशोर को भी शर्मिंदा कर सकता है। सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट प्रारूप में उनकी सफलता और आईपीएल की फॉर्म के बूते उनकी प्रतिष्ठा जस की तस है, तथापि उनका मानना है कि अब उन्हें उस प्रारूप को अलविदा कर देना चाहिए जिसे वह सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, जिसे उन्होंने 'खून, पसीने और आंसू' से सींचा है। एक ऐसा प्रारूप जिसे वह 'इश्क' करते हैं और जिसने उन्हें एक व्यक्ति के रूप में 'आकार' दिया।पारंपरिक ज्ञान यह कहता है कि आप अपने पास वही रखें जो आपको सबसे ज़्यादा पसंद है और जो अधिक महत्त्वपूर्ण न हो और जिसमें सार और अर्थ नहीं है, उसे तज दें। तब क्यों न सफ़ेद टेस्ट क्रिकेट की बजाय सफेद गेंद वाले प्रारूप को छोड़ते? लेकिन! समस्या यहीं पर है। अपनी अपार लोकप्रियता और प्रशंसकों के अलावा, कम ओवर वाले क्रिकेट प्रारूप (आईपीएल) को मानसिक और शारीरिक रूप से इसके लघु प्रारूप यानी टी-20 के मुकाबले संभालना ज्यादा आसान है। शायद यह 'धंधा' इस मायने में मजेदार है, जिसमें विफलता बहुत नुकसान नहीं पहुंचाती और न ही सफलता यह महसूस करवाती है कि आप शिखर पर पहुंच गए हैं। और आईपीएल में आप जो करोड़ों कमाते हैं, वह इसे न छोड़ने के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन है। यह किसी राष्ट्र के लिए न होकर एक व्यावसायिक उद्यम के लिए प्रतिबद्धता है, जहां विफलता का जोखिम 'विश्वासघात' के बराबर नहीं है।प्रतिबद्धता, अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक विराट, प्रतिद्वंद्वियों का ध्यान अपने शारीरिक हाव-भावों से भंग करने वाली खूबी रखने के साथ खेल के लघु संस्करण में प्रतिद्वंद्वियों को चबाने की ताब रखते हैं। वह बल्लेबाजी, दौड़ने और मानसिक दृढ़ता में उन्हें मात दे सकते हैं। वे अब क्रिकेट के सबसे कठिन प्रारूप यानी टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं कर सकते। उनके पास अपने खेल में रिस चुकी तकनीकी कमियों से पार पाने और पूरे पांच दिनों तक विस्फोटक स्तर को बनाए रखने के लिए पहले जितनी ऊर्जा और ताकत नहीं रही।सही मायने में विराट वीरता का सबसे बढ़िया मूर्त रूप हैं। वह निडर योद्धा, जो अपने विरोधियों को छकाने करने के लिए खुद को महामानव-सी ऊर्जा से भर लेता है। दुनिया के क्रिकेट इतिहास में दुर्लभ और भारत में भी इससे पहले ऐसा कोई नहीं हुआ जिसकी आक्रामकता, यहां तक कि अपनी तीव्र और कठोर अभिव्यक्ति में, जैन मुनियों जैसी एकाग्रता के साथ शानदार प्रदर्शन करने से लैस हो।

वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना

वैवाहिक रिश्ते

डॉ. सुधीर कुमार

अगर किसी पति या पत्नी को बिना वजह छोड़ दिया गया है, तो उन्हें अदालत में जाकर कहने का अधिकार है कि वे अपना वैवाहिक जीवन फिर शुरू करना चाहते हैं। कानून एक को मजबूर कर सकता है कि वह साथ रहे। लेकिन अब अदालतें मान रही हैं कि इच्छा के विरुद्ध रिश्ते में रहने को मजबूर करना सही नहीं।अगर पति-पत्नी अलग हो जाते हैं, तो कानून एक को मजबूर कर सकता है कि वह वापस दूसरे के साथ जाकर रहे। इसे वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कहते हैं। भारतीय कानून में, यह प्रावधान प्रमुखत- हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 के तहत आता है। यानी अगर किसी पति या पत्नी को बिना किसी वजह छोड़ दिया है, तो यह कानून उन्हें अदालत में जाकर कहने का अधिकार देता है कि वे अपना वैवाहिक जीवन फिर शुरू करना चाहते हैं।

इसे कहते हैं, 'चलो फिर से साथ रहो' का कानूनी तरीका।लेकिन आजकल लोग अपनी आजादी और मर्जी को ज़्यादा मानने लगे हैं। अदालतें भी सोचने लगी हैं कि किसी को जबरदस्ती साथ रहने के लिए कहना ठीक नहीं। इसलिए, अब वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना पहले जितना आसान नहीं रहा। अदालतें अब यह देखती हैं कि क्या वाकई दोनों साथ रह सकते हैं या फिर उन्हें अपनी ज़िंदगी अपनी मर्जी से जीने का हक है। अब यह ज़्यादा 'पसंद' की बात हो गई है, न कि सिर्फ कर्तव्य की। अब कानून नहीं कहता कि हर हाल में साथ रहो। देखता है कि क्या दोनों अपनी इच्छा से साथ रहना चाहते हैं।पहले माना जाता था कि विवाह में पति-पत्नी का एक साथ रहना उनका कर्तव्य है, और

यदि कोई एक साथी अलग रहना चाहता था, तो अदालत उसे वापस आने के लिए मजबूर कर सकती थी। लेकिन, अब अदालतें भी समझने लगी हैं कि किसी को उसकी इच्छा के विरुद्ध रिश्ते में रहने को मजबूर करना सही नहीं। कानून 'कर्तव्य' से 'पसंद' की ओर बढ़ रहा है।कई अन्य देशों में, वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का कानून या तो पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, या इसे बहुत ही कम और विशिष्ट हालात में इस्तेमाल किया जाता है। इन देशों में कानूनी दृष्टिकोण इस मान्यता पर आधारित है कि व्यक्ति को इस मामले में अधिकार होना चाहिए कि वह किसके साथ अपना जीवन बिताना चाहते हैं। यानी राज्य को इस व्यक्तिगत और अंतरंग मामले में हस्तक्षेप का हक नहीं। इस सोच के पीछे अहम कारण निजी स्वतंत्रता और स्वायत्तता को सर्वोपरि माना जाना है। यह निजता के अधिकार और यह तय करने की स्वतंत्रता का हनन है कि वे निजी जीवन में कैसे संबंध रखना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, कई देश तर्क देते हैं कि जबरदस्ती से बनाए गए रिश्ते अक्सर अस्वस्थ और दुखद होते हैं। यदि एक साथी संबंध से बाहर निकलना चाहता है, तो उसे वापस रहने के लिए मजबूर करने से केवल तनाव, मनमुटाव और संभावित दुर्व्यवहार ही बढ़ सकता है। कानून का उद्देश्य रिश्तों को बनाए रखना होना चाहिए, लेकिन ऐसे रिश्तों को नहीं जो आपसी सहमति और सम्मान पर आधारित न हों। कुछ देशों ने इस कानून को इसलिए समाप्त कर दिया कि यह लैंगिक रूप से पक्षपातपूर्ण है। इस का इस्तेमाल अक्सर महिलाओं को उनके अनिच्छुक पतियों के साथ वापस रहने के लिए मजबूर करने को किया जाता था, जबकि पुरुषों को ऐसी बाध्यता का सामना शायद ही कभी करना पड़ा।

भारत में भी अदालतें वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना कानून के बारे में चिंताएं व्यक्त कर रही हैं। उनका मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध विवाह में बने रहने के लिए मजबूर करने के लिए किया जा सकता है। यह चिंता महिलाओं के लिए अधिक है, जिन्हें अक्सर अपने पति के साथ रहने के लिए बाध्य किया जाता है, भले ही वे दुर्व्यवहार, क्रूरता झेल रही हों। अदालतों की चिंता यह भी कि क्या यह कानून नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

अफसरों की कार्यशैली देख तमतमाई संसदीय अध्ययन समिति

» समिति के सभापति डॉ. सुरेंद्र चौधरी ने कानपुर नगर, कानपुर देहात और कन्नौज के अधिकारियों के साथ कड़ी समीक्षा बैठक की

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में उप्र विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति के सभापति डॉ. सुरेंद्र चौधरी ने कानपुर नगर, कानपुर देहात और कन्नौज के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। डॉ. चौधरी ने तल्ख रवैया अख्तियार करते हुए हर कमी पर अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। बैठक में अनुपस्थित कन्नौज के जिलाधिकारी और एसपी पर कड़ी नाराजगी जताई। सीडीओ ने कानून व्यवस्था को डीएम की अनुपस्थिति का कारण बताया।

सभापति ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर डीएम समिति के समक्ष उपस्थित होकर स्पष्टीकरण दें कि आखिर ऐसी कौन सी कानून व्यवस्था की स्थिति थी कि वे बैठक में नहीं आए। वहीं, एसपी कन्नौज की जगह आए प्रतिनिधि को देख सभापति नाराज हो गए और उन्होंने बैठक से बाहर निकाल दिया। वहीं, प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर एसपी से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि दो-दो साल तक सांसद व विधायकों के शिकायती पत्रों पर न तो कोई कार्रवाई होती है और न ही कोई जवाब मिलता है। अब ऐसा नहीं चलेगा। सुधार न हुआ तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ऋण, रोजगार, पशु क्रूरता, जल जीवन मिशन, मृत्यु प्रमाण पत्र, प्रदूषण नियंत्रण, शिक्षा व पोषण मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर बात की। अवैध शराब पर सख्त निगरानी करें।

संसदीय अध्ययन समिति में ये हैं सदस्य

हंसराज विश्वकर्मा, श्रीचंद्र शर्मा, रामसूरत राजभर, उमेश द्विवेदी, धर्मेंद्र सिंह, डॉ. बाबूलाल तिवारी, सुभाष यदुवंश, मुकेश शर्मा, किरणपाल कश्यप, आशुतोष सिन्हा।

नवीन सभागार में समिति के सभापति डॉ. सुरेंद्र चौधरी ने 32 विभागों में जनप्रतिनिधियों के शिकायती पत्रों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कानपुर देहात की सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा वर्षा गुप्ता, कन्नौज के जिला गव्य अधिकारी, नलकूप विभाग के अधिशाषी अभियंता, जिला दिव्यांगजन अधिकारी व व्यापार कर अधिकारी की अनुपस्थिति पर भी नाराजगी जताई और स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि शिकायत निस्तारण प्रक्रिया के लिए सभी विभाग एक शिकायती पत्र रजिस्टर बनाएं।

जिसमें शिकायत प्राप्त होने की तिथि, उत्तर देने की तिथि वकार्रवाई का विवरण स्पष्ट रूप से दर्ज होना चाहिए। अधिकारियों के स्तर से लेखपाल, कानूगो, पुलिस विभाग के निचले स्तर के कर्मियों की कड़ी निगरानी की जाए।

सभापति ने कहा कि शासन की योजनाएं पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसे प्राथमिकता पर रखें। टीम भावना से काम करें और अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। ऋण एवं रोजगार योजनाओं में बैंक लापरवाही न करें। जल जीवन मिशन में पाइप लाइन डालने में खोदी सड़कें जल्द से जल्द बनाएं, इसे कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर के विभागीय अधिकारी इसे सुनिश्चित करें। पशुओं को एक से दूसरे स्थान पर ले जाते समय वाहन में ठूंसकर भरा जाता है, जिसे पशु क्रूरता का मामला मानते हुए कड़ी कार्रवाई करें। मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में जिला पंचायत राज अधिकारी कानपुर देहात पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि इसमें कतई लापरवाही न बरतें। प्रदूषण नियंत्रण में एनओसी प्राप्त इकाईयां संचालित हों। शिक्षा व पोषण में तीनों जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारी नियमित रूप से मिड डे मील का निरीक्षण करने के साथ खुद भी बच्चों के साथ भोजन करके गुणवत्ता जरूर चेक करें। समिति ने कहा कि सभी अधिकारियों के पास अपने जिले के जनप्रतिनिधियों के मोबाइल नंबर अवश्य रहें, जिससे संवाद में समस्या न आए। डीएम कानपुर जितेंद्र प्रताप सिंह समेत तीनों जिलों के संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पक्षियों के लिए जल प्रबंधन और दाना पानी के इंतजाम में जुटा यती संकल्प संस्थान

शुभारंभ श्री ब्रह्मावर्त सनातन धर्म महामंडल के अध्यक्ष वीरेन्द्रजीत सिंह, नंदिता सिंह व क्षेत्र प्रचारक अनिल द्वारा किया गया

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। यती संकल्प संस्थान द्वारा पक्षियों के लिए जल प्रबंधन हेतु दाना-पानी अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का शुभारंभ श्री ब्रह्मावर्त सनातन धर्म महामंडल के अध्यक्ष वीरेन्द्रजीत सिंह, नंदिता सिंह व क्षेत्र प्रचारक अनिल द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष भीषण गर्मी के चलते कई पशु-पक्षी प्यास वह हीट स्ट्रोक से दम तोड़ देते हैं। आजकल तेज गर्मी व लू के बीच मानव जीवन के साथ-साथ पक्षी भी परेशान हैं इसलिए संस्थान द्वारा यह मुहिम चलाना प्रशंसनीय है। प्रांत संघचालक भवानी भीख तिवारी ने सभी से आग्रह करते हुए कहा कि हम सभी को घर के बाहर, छतों पर, बालकनी इत्यादि पर पक्षियों हेतु दाना-पानी की नियमित व्यवस्था करनी चाहिए।

संस्थान की सचिव नीतू सिंह ने बताया कि पक्षियों के लिए दाना-पानी मुहिम के माध्यम से हम शहर के कई स्थानों पर सकोरों व जल की व्यवस्था कर रहे हैं ताकि पक्षियों का जीवन सुरक्षित रह सके। इस दौरान कार्यक्रम में प्रांत प्रचारक श्री राम, विभाग प्रचारक बैरिस्टर, राकेश राम त्रिपाठी, बृजमोहन सिंह, बॉबी पाठक सहित कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

राजेपुर चौराहे पर प्यास बुझाने को तरसते राहगीर

- आधा दर्जन गावों को जोड़ता है राजेपुर चौराहा
- हाइवे की जद में आने पर हटा हैंडपम्प दोबारा नहीं लगा
- रोजाना करीब एक हजार लोगों का होता है आवागमन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर विकास खंड के राजेपुर चौराहे पर हैण्डपम्प न होने से राहगीरों एवं दुकानदारों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि करीब एक हजार लोगों का चौराहे से रोजाना अवागमन होता है। इसी चौराहे पर खड़े होकर लोग शहर व बाजार जाने के लिए बस ऑटो आदि साधन का इंतजार करते हैं। ऐसे में ज़ब गर्मी अपने चरम पर है। पारा 40 डिग्री पार जा रहा है। चिलचिलाती धूप में जब लोगों को प्यास लगती है तो लोग आसपास के दुकानदारों से खरीद कर पानी पीने को मजबूर होते हैं।

चौराहे पर मौजूद गदनपुर आहार निवासी अवनीश कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि चौराहे पर हैण्डपम्प न होने से पानी पीने की बड़ी समस्या होती है। हैण्डपम्प जरूर लगा होना चाहिए। जनप्रतिनिधि इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। चौराहे पर चाय नमकीन समोसा का होटल चलाने वाले दुकानदार वीरू ने बताया कि पहले हैण्डपम्प लगा था। हाइवे निकला तो हैंडपंप हाइवे निर्माण की जद में आ गया और हैण्डपम्प को हटा दिया गया। लेकिन अभी तक दूसरी जगह नहीं लगाया गया। सालों बीत गए हैं। हम लोग पानी को तरसते हैं। दो से तीन किलोमीटर दूर जाकर पानी भरकर लाते हैं।भीषण गर्मी पड़ रही है। पानी भरकर लाओ। फिर डिब्बे से पानी निकालकर रहगीर अपनी प्यास बुझा जाते हैं।पानी पीने से किसको मना कर दें। दिन में कई बार पानी भरकर लाना पड़ता है। हैण्डपम्प लग जाए तो सारी समस्या खत्म हो जाए। अनिल कश्यप ने बताया कि हैण्डपम्प न होने की शिकायत भी कई बार की जा चुकी है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती ।हम लोग पीड़ित हैं। चौराहे से दो से तीन किलोमीटर तक पानी पीने की कोई सुविधा नहीं है और न ही कोई सुनने वाला है। बिल्हौर खंड विकास अधिकारी से बात करने पर बताया कि ग्राम पंचायत हैण्ड पम्प की मरम्मत, रिबोर करा सकती है। नया हैण्ड पम्प लगवाना हमारे अधिकारी मे नही है। यह जल निगम के अंतर्गत होता है।

बिल्हौर में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली गई तिरंगा यात्रा

- हिंदुस्तान जिंदाबाद - पाकिस्तान मुर्दाबाद के लगे नारे
- विधायक राहुल बच्चा के नेतृत्व मे निकाली गई तिरंगा यात्रा
- सैकड़ों भाजपाई व कारोबारी यात्रा में मौजूद रहे

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर कस्बे में सोमवार को भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में एक विशाल तिरंगा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने किया। तिरंगा यात्रा बिल्हौर ब्लॉक से शुरू हुई। जीटी रोड़ से होते हुए टेम्पो स्टेण्ड, बस स्टॉप, नगर पालिका चौराहा होते हुए सुभानपुर गांव के पास संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा व स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लिए भारत माता एवं भारतीय सेना के जयकारों एवं पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों के साथ यात्रा निकाली। बड़ी संख्या में महिलाएं भी यात्रा में शामिल थीं। इस दौरान विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश के लिए समर्पित सेना के जवानों का हौसला बढ़ाना है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना ने पाकिस्तान को उसकी औकात बता दी है। भारतीय जनता पार्टी के कानपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष ने कहा कि सेना ने बगैर अपनी जान की परवाह किए पाकिस्तान में घुसकर उनके कई आतंकी तबाह कर दिए हैं। गर्व है हमें अपनी सेना पर। इस दौरान कानपुर ग्रामीण के पूर्व जिलाउपाध्यक्ष जेपी कटियार,रुपेश, ललित बच्चा, गौरव शर्मा, एडवोकेट राजकुमार सिंह भदौरिया, समेत सैकड़ों भाजपाई व कारोबारी मौजूद रहे।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आधू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

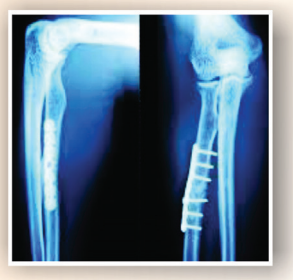

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

कैबिनेट मंत्री के फोन पर भी मीठी गोली देते दिखे अफसर

» कैबिनेट मंत्री राकेश सचान बोले दिखवाना नहीं, काम करवाना है, वायरल वीडियो ने खोली अफसरशाही की पोल

बिजली विभाग के इंजीनियरों की मनमानी से परेशान ग्रामीण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और भोगनीपुर विधायक राकेश सचान का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अफसरों की कार्यशैली और लापरवाही साफ देखी जा सकती है।यह घटना तब की है जब मंत्री राकेश सचान अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर सरवनखेड़ा ब्लॉक के जुनीयां गांव पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने बिजली की गंभीर समस्या की शिकायत की। बताया गया कि गांव में बिजली के पोल लगाने का कार्य महीनों से लंबित है, लेकिन विभाग के अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे।

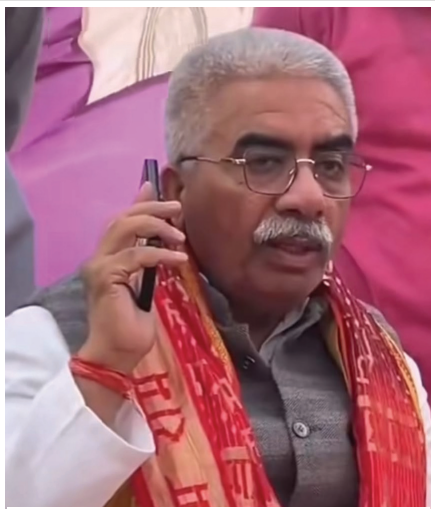

बिजली विभाग के अफसर को फोन करते कैबिनेट मंत्री राकेश सचान

मंत्री ने भीड़ के सामने किया फोन

समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने मौके पर ही बिजली विभाग के एक कर्मचारी को फोन लगाया और मोबाइल को स्पीकर पर रखते हुए जनता के सामने बात की। उन्होंने कर्मचारी से साफ कहा कि बिजली के पोल जल्द से जल्द लगवाए जाएं।

लेकिन कर्मचारी ने जवाब दिया ठीक है, दिखवाते हैं, इस पर मंत्री राकेश सचान नाराज़ हो गए और दो टूक कहा दिखवाना नहीं है, इसे करवाना है। आप लोग इतने दिनों से सिर्फ दिखवा ही रहे हो। अधिशासी अभियंता तक बात पहुँचाओ

मंत्री ने कर्मचारी से कहा कि यह संदेश अधिशासी अभियंता तक पहुँचाया जाए और तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मंत्री की इस नाराजगी और अफसरों की बेरुखी का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

प्रशासनिक कार्यशैली पर उठे सवाल–

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब एक कैबिनेट मंत्री की बात को भी अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे, तो आम जनता की शिकायतों का क्या हश्र होता होगा?वीडियो के वायरल होने के बाद अब बिजली विभाग और संबंधित प्रशासनिक अमले की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लग रहे हैं। जनता उम्मीद कर रही है कि इस प्रकरण के बाद अब कार्यवाही होगी और जुनीयां गांव को जल्द बिजली की सुविधा मिलेगी।यह मामला अफसरशाही बनाम जनप्रतिनिधि की टकराहट का एक और उदाहरण बन गया है।

राशन धांधली में शिकायत करने पर महिला का ही कार्ड ब्लॉक

» कोटेदार की दबंगई पर जिले के अफसर मौन

» भोगनीपुर में आदेश कुमारी बनी भ्रष्ट तंत्र की शिकार, महिला सशक्तिकरण के दावे पस्त

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के भोगनीपुर क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की हकीकत एक बार फिर उजागर हुई है, जहां सट्टी क्षेत्र के ग्राम बीरबल का पुरवा की निवासी आदेश कुमारी कोटेदार की दबंगई और सरकारी सिस्टम की बेरुखी का शिकार बनी हैं। आदेश कुमारी ने गांव के कोटेदार पर राशन में घटतौली और मनमानी का आरोप लगाते हुए बताया कि कोटेदार उनसे अंगूठा लगवाकर कई बार टालमटोल करता है और दस-दस दिन बाद आने को कहता है। जब उन्होंने इसकी शिकायत की तो कोटेदार ने न सिर्फ उनके साथ अभद्रता की, बल्कि बदले की भावना से उनका राशन कार्ड ही ब्लॉक करा दिया। आदेश कुमारी ने एसडीएम, तहसील दिवस से लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर तक से शिकायत की लेकिन किसी ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। यहां तक कि जब उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय माती में भी गुहार लगाई, तो वहां से भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

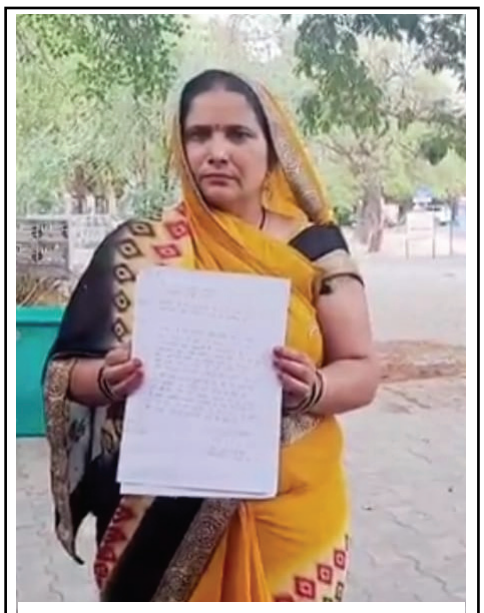

पीड़ित महिला

यह घटना न सिर्फ कोटेदार की मनमानी को उजागर करती है बल्कि सरकारी तंत्र की उदासीनता और महिला सशक्तिकरण के खोखले दावों की भी पोल खोलती है। सरकार की ओर से राशन वितरण में पारदर्शिता और महिलाओं को सम्मान देने की बात की जाती है, लेकिन जब एक महिला को अपने हक के लिए बार-बार दरवाजे खटखटाने पड़ें और सिस्टम पूरी तरह मौन रह जाए, तो ये सवाल उठना लाज़मी है कि क्या ये योजनाएं सिर्फ दिखावे भर की हैं? आदेश कुमारी जैसी महिलाओं को जब न्याय नहीं मिलता तो यह साफ हो जाता है कि गांवों में गरीबों और महिलाओं के हक की लड़ाई आज भी कोटेदारों की दबंगई और अधिकारियों की मिलीभगत में दब जाती है। प्रशासन को चाहिए कि इस मामले में तत्काल कार्रवाई कर उदाहरण प्रस्तुत करे, नहीं तो ऐसे मामलों से लोगों का भरोसा तंत्र से उठता चला जाएगा।

गांव के विकास के लिए आए पैसे में घोटाला - प्रधान गिरफ्तार, सचिव फरार

रसूलाबाद के नौहा नौगांव में सरकारी धन की बंदरबांट, दो लाख से अधिक की रकम गबन का आरोप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात । रसूलाबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत नौहा नौगांव में विकास कार्यों के नाम पर शासकीय धन के गबन का बड़ा मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान मुकेश सिंह और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी दीपक त्रिपाठी पर ?2,99,570 की सरकारी राशि के दुरुपयोग का आरोप है। खंड विकास अधिकारी धनप्राप्त यादव द्वारा दी गई तहरीर पर 31 मई 2024 को रसूलाबाद थाने में मु.अ.सं. 0222/2024 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 409 के तहत केस दर्ज किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ग्राम प्रधान मुकेश कुमार को बिषधन रोड, चित्ता निवादा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मामले के दूसरे आरोपी, तत्कालीन सचिव दीपक त्रिपाठी की तलाश जारी है।

थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि फरार सचिव की जल्द गिरफ्तारी कर उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस टीम छापेमारी कर रही है और मामले की जांच लगातार जारी है। यह मामला पंचायत स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार की एक और कड़ी के रूप में सामने आया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नबीपुर रोड के अतिक्रमण पर चला प्रशासन का हंटर

» फोरलेन परियोजना में बाधा बन रहे थे अतिक्रमणकारी

» गंग नहर की जमीन पर बसी दुकानों को हटाया, कई बार नोटिस के बावजूद नहीं माने दुकानदार

सचिन सिंह चौहान स्वराज इंडिया

कानपुर देहात । राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार को गंग नहर विभाग की टीम ने नबीपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों से गजनेर-नबीपुर मार्ग पर बसे अतिक्रमण को हटवा दिया।इन दुकानों की वजह से मार्ग पर आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

प्रशासन ने इन दुकानदारों को पहले कई बार नोटिस देकर खुद से दुकानें हटाने का मौका दिया था, लेकिन जब तय समयसीमा के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो गंग नहर प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की।

सूत्रों के अनुसार, नबीपुर से स्टेशन तक फोरलेन सड़क निर्माण का प्रस्ताव सरकार ने पहले ही स्वीकृत कर दिया है और इस पर पीडब्ल्यूडी विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। सड़क चौड़ीकरण में जो भी अतिक्रमण बाधा बन रहे हैं—चाहे वह बिजली के पोल हों, पेड़ हों या दुकानों के निर्माण—उन्हें हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलेदार और जेई ने दी जानकारी-

गंग नहर के जिलेदार दिनेश यादव ने बताया कि फदुकानदारों को कई बार नोटिस देने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। यह कार्रवाई यातायात व्यवस्था को सुधारने और सड़क निर्माण को सुचारु रूप से पूरा कराने के लिए की गई है।

वहीं, गंग नहर के अवर अभियंता अमित कुशवाहा ने कहा, फयह कार्रवाई पूरी तरह नियमों के तहत की गई है। नोटिस के बाद भी जब दुकानदार नहीं माने, तब मजबूरन बुलडोजर चलाया गया।

स्थानीय लोगों ने जताई राहत

रविवार को जब गंग नहर का बुलडोजर चला, तो राठिगांव रोड पर भी अतिक्रमण हटाया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया और कहा कि अब उन्हें जाम की समस्या से काफी राहत मिलेगी।

यह कार्रवाई आने वाले दिनों में अन्य अतिक्रमित क्षेत्रों में भी जारी रहने की संभावना है।

दो बच्चों की मां ने फांसी लगाकर दी जान

रसूलाबाद के हरी निवादा गांव में महिला की संदिग्ध हालात में आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात । रसूलाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम हरी निवादा में एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतका संध्या देवी (35) पत्नी अभिषेक उर्फ श्याम सुंदर ने अपने घर के अंदर साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

बताया जा रहा है कि संध्या की शादी वर्ष 2014 में हुई थी और वह दो बच्चों की मां थी। उनका बेटा उत्कर्ष 10 साल और बेटी आरजू 7 साल की है।

घटना की सूचना मिलने पर मृतका का मायका पक्ष गंभीर पुरवा, थाना तिर्वा, जनपद कन्नौज से मौके पर पहुंचा। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

प्रकरण में आत्महत्या के पीछे कोई घरेलू कलह या अन्य कारण हैं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

नवभारत उदय के तहत 10 परिषदीय विद्यालयों को दिए गए स्मार्ट टीवी

छात्रों की उपस्थिति और ठहराव की वृद्धि में सहायक हैं डिजिटल कक्षाए

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। गैर सरकारी संगठन सीखो सिखाओ फाउंडेशन द्वारा अकबरपुर स्थित बीआरसी सभागार में एक समारोह आयोजित कर नवभारत उदय टीवी कार्यक्रम 2024 के तहत जनपद के 10 परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट टीवी और यूपीएस प्रदान किए गए। पूर्व चयनित 10 विद्यालयों से प्रधानाध्यापक, ग्राम प्रधान एवं एसएमसी अध्यक्ष को संस्था के प्रतिनिधियों, जिला समन्वयक प्रशिक्षण सौरभ श्रीवास्तव और एसआरजी अनंत त्रिवेदी द्वारा स्मार्ट टीवी और पावर बैकअप के लिए यूपीएस प्रदान किया गया।

संस्था के स्टेट कोऑर्डिनेटर जितेंद्र कुमार ने बताया कि संस्था द्वारा प्रदेश के 501 विद्यालयों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराई है। जिसके तहत जिले के विकासखंड अमरौधा के प्राथमिक विद्यालय भोगनीपुर द्वितीय, नोनापुर, गौर, बिरोहा, चांदापुर और झींझक

विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय गाउपुर, जैतीपुर चंदा निवादा, मलिगांव और दत्तपुर इन 10 विद्यालयों को स्मार्ट टीवी प्रदान किया है।

एसआरजी अनंत त्रिवेदी ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालय लगातार डिजिटल हो रहे हैं। विभाग द्वारा गत वर्ष 130 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की गई थी।

साथ ही विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की सहायता से भी बच्चों की उपस्थिति एवं ठहराव में वृद्धि, शिक्षकों के अध्यापन कौशल को नया आयाम देने, सीखने की प्रक्रिया को सुगम और रोचक बनाने, बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए लगातार स्मार्ट क्लास स्थापित किया जा रहे हैं। जिला समन्वयक प्रशिक्षण सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालयों में स्थापित हो रहे स्मार्ट क्लास का उद्देश्य तकनीकी सशक्तिकरण से शिक्षा का नव सृजन और सीखने के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण करना है। इस दौरान एसएसएफ संस्था प्रतिनिधि पंकज कुमार, संध्या राज, आईईसी से अजय कुमार, डी पी तिवारी, संदीप यादव, ग्राम प्रधान सुषमा देवी, प्रताप सिंह, एसएमसी अध्यक्ष अजय कुमार, विनोद कुमार, उमा देवी, प्रधानाध्यापक विजय सिंह, सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रणवीर कुमार सिंह, राजेश कुमार, प्रीति पाल, करुणा देवी, तौसीफ अख्तर, संगीता, भावना, अब्दुल मुईन, ज्योति सचान अरविंद कुमार आदि उपस्थित रहे।

रुदौली एजूकेशनल इंस्टीट्यूट
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।

परास्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय एम0एस0सी0 पाठ्यक्रम हेतु गणित, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान प्रत्येक विषय में 02–02 पद प्रवक्ताओं की।

योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0– 9936535300

रुदौली लॉ कॉलेज
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।

प्राचार्य – 01 पद
विधि प्रवक्ता – 09 पद
योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0, बी0सी0आई0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0–9936535300

स्वराज इंडिया की रिपोर्ट के बाद जागे अयोध्या विकास भवन के जिम्मेदार

अयोध्या विकास भवन में शुरू हुई सुधार की कवायद

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। स्वराज इंडिया द्वारा 17 मई को प्रकाशित विशेष रिपोर्ट अयोध्या विकास भवन की दीवारों में छिपा तबाही का ब्लू प्रिंट के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। रिपोर्ट में उजागर की गई फायर सेफ्टी सिस्टम की विफलता, धूल-धुआं फेंकते उपकरण और कर्मचारियों की लापरवाही के मुद्दे अब प्राथमिकता पर आ गए हैं।

जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) महेंद्र देव पांडेय ने बताया कि स्वराज इंडिया की रिपोर्ट ने हमें समय रहते चेताया। लापरवाही पर कार्रवाई होगी और भविष्य में ऐसी स्थिति दोहराई न जाए, इसका भी इंतज़ाम किया जाएगा। स्वराज इंडिया की खबर का संज्ञान लेते हुए हमने विकास भवन के सभी तलो पर फायर सिलेंडर लगवा दिए गए है। शासन को इस समस्या के निदान के लिए प्रस्ताव भेजा गया है बजट निर्गत होते ही पूरे भवन को अग्निरोधी उपकरण से लैश बना दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारी और आगंतुक हालांकि शुरुआती कार्रवाई से अब ठोस नतीजों का उम्मीद जगी है, लेकिन स्थानीय इंतज़ार कर रहे हैं।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अपना प्रदेश कानपुर शनिवार 17 मई, 2025 11

अयोध्या विकास भवन की दीवारों में छिपा तबाही का ब्लू प्रिंट

- बारूद के ढेर पर अयोध्या का विकास भवन
- एक चिंगारी पूरे सिस्टम को कर सकती है स्वाहा
- सिलेंडर जीरो,सिस्टम सुस्त,विकास भवन में हर दिन जिंदा जलने का इंतज़ार
- धूल फांक रहे अग्नि सुरक्षा उपकरण,सिस्टम नाकाम,कर्मचारी भयभीत

समीर शाही/स्वराज इंडिया

अयोध्या। गर्मी की दोपहर, सीढ़ियों से चढ़ते हुए जैसे-जैसे मैं विकास भवन के भीतर दाखिल हुआ, एक अजीब सा सन्नाटा महसूस [illegible] यह सन्नाटा लोगों की आवाज़ों का था, ना ही कागज़ों की खड़क की कमी का, बल्कि यह सन्नाटा था सुरक्षा व्यवस्था की खामोशी का। यहां की दीवारों पर टंगे फायर सिलेंडर खुद चीख-चीख कर अपनी बदहाली की कहानी सुना रहे थे, पर सुनने वाला कोई नहीं था।

स्वराज इंडिया रिपोर्टर की नज़र से

भवन के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित प्रमुख विभागों के बाहर कार्यालय में लाल रंग के सिलेंडर गायब मिले। नाजिर के कमरे में जाने पर पता चला कि वहीं तीन सिलेंडर धूल फांकते मिले सिलेंडरों पर न तो रिफिलिंग की तारीख लिखी थी, न ही एक्सपायरी डेट। सिलेंडर में लगे प्रेशर मीटर की सुई 'जीरो' पर अटकी हुई थी—यानी ये किसी भी आपात स्थिति में सिर्फ कोने में पड़े अपने आपको कोसते रह जाएंगे।

फर्स्ट फ्लोर पर हालात और खराब

ऊपरी मंजिलों की स्थिति और भी भयावह थी। यहां तो कई विभागों के बाहर फायर सिलेंडर तक नहीं दिखे। कर्मचारियों से पूछने पर जवाब मिला—फ़की यहां कोई इस तरह की व्यवस्था ही नहीं है हम तो खुद डरते हैं पर करें क्या?

फायर सिस्टम की गैरमौजूदगी

पूरी इमारत में कहीं भी फायर फाइटिंग पाइपलाइन, वॉटर हाइड्रेंट, स्मोक डिटेक्टर या अलार्म सिस्टम नहीं दिखा। अगर कहीं आग लग जाए, तो यहां मौजूद लोग खुद को कैसे बचाएंगे इसका कोई जवाब किसी के पास नहीं था।

स्वराज इंडिया ग्राउंड रिपोर्ट

डीडीओ का जवाब, लेकिन कार्रवाई का इंतजार

डीडीओ महेंद्र देव पांडेय से बात करने पर उन्होंने कहा, की यह समस्या उनके संज्ञान में है फ़ायर सिलेंडरों की जांच जल्द कराकर उन्हें दुरुस्त कराया जाएगा और फायर विभाग को सूचित किया जाएगा। एक सप्ताह के भीतर हर हाल में प्रत्येक तल पर कम से कम दो फायर सिलेंडर लगवा दिए जाएंगे। हमे अपने कर्मचारियों के साथ यहां आने वाली आम आवाम की भी बेहद फिक्र है। उन्होंने पत्रकारों के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित किया कि उन्हें इतनी बड़ी समस्या से अवगत कराया। जबकि वहीं दूसरी तरफ विकास भवन के नाजिर ने बताया कि कुछ दिन पहले फायर सिस्टम का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है बजट आते ही लगवा दिया जाएगा।जबकि दूसरी ओर विकास भवन में मौजूद कर्मचारियों के चेहरे बता रहे थे कि यह जवाब नया नहीं है। ऐसे आश्वासन पहले भी दिए गए हैं, पर कार्रवाई ज़मीनी स्तर तक कभी नहीं पहुंची। एक क्लर्क नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं, फ़कभी आग लग गई तो यहां न सीढ़ी से उतरने की जगह बचेगी, न बचाव का कोई रास्ता। हर दिन हम खुद को खतरे में डालकर काम कर रहे हैं।

विकास भवन, जो जिले के प्रशासन का केंद्र बिंदु है, वहां की आग से सुरक्षा की ये स्थिति बेहद चिंताजनक है। अग्निकांडों के हालिया मामलों के बावजूद अफ़सरों की निष्क्रियता, कहीं भविष्य में एक बड़े हादसे का कारण न बन जाए। यह सिर्फ चेतावनी नहीं, एक खुला खतरा है जिसे अब नज़र अंदाज़ करना विनाश को न्योता देना होगा।

डीडीओ अयोध्या-महेंद्र देव पांडेय

सुधार की दिशा में उठाए गए कदम

- जर्जर अलार्म सिस्टम की मरम्मत का कार्य शुरू।
- नए अग्निशमन यंत्रों की खरीद का प्रस्ताव भेजा गया।
- कर्मचारियों को फायर सेफ्टी ड्रिल में भाग लेने का नोटिस।

ट्रेन में लेटी थी महिला, अचानक महसूस हुआ हाथ

इंटरनेट पर शेयर की तस्वीर तो यूजर बोले - तोड़ देने चाहिए थे हाथ!

स्वराज इंडिया संवाददाता

लखनऊ। हाल ही में एक महिला ने एक रेडिट पोस्ट शेयर की, जिसमें उसने बताया कि कैसे ट्रेन में सफर करते समय एक व्यक्ति ने नीचे की बर्थ से हाथ बढ़ाकर उसे गलत तरीके से छूने की कोशिश की। ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिस पर यूजर्स ने चिंता और गुस्से भरे रिएक्शन दिए हैं।

जहां एक तरफ महिला सुरक्षा को लेकर कई दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी तरफ आए दिन कोई न कोई महिला अपने साथ हुई छेड़खानी की कहानी सोशल मीडिया पर साझा करती है। अब बात सिर्फ पब्लिक प्लेस तक सीमित नहीं रही, बल्कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट में भी महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं।

कभी मुंबई की लोकल ट्रेन में एक शख्स 19 साल की लड़की को अश्लील बातें कहकर भाग जाता है, तो कभी दिल्ली मेट्रो में भीड़ का फायदा उठाकर कोई व्यक्ति किसी महिला के साथ गंदी हरकत कर देता है। दिनदहाड़े महिलाओं के साथ होती ये शर्मनाक घटनाएं महिला सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावों पर रोज सवाल खड़े करती हैं कि आखिर ऐसे मनचलों से महिलाओं को कैसे बचाया जाए? हाल ही में ऐसी ही एक घटना इंटरनेट पर वायरल हो रही है, जिसमें एक शख्स ट्रेन के अपर बर्थ पर बैठी महिला के साथ अभद्र हरकत करते हुए नजर आता है।

चचिया ससुर के साथ भागी दो बच्चों की मां... पति ने किया ये बड़ा एलान

पीड़ित ने खुद बताई पूरी कहानी, थानाध्यक्ष ने तहरीर बदलवाकर गुमशुदगी में दर्ज करवा दी थी

» इटावा, स्वराज ब्यूरो

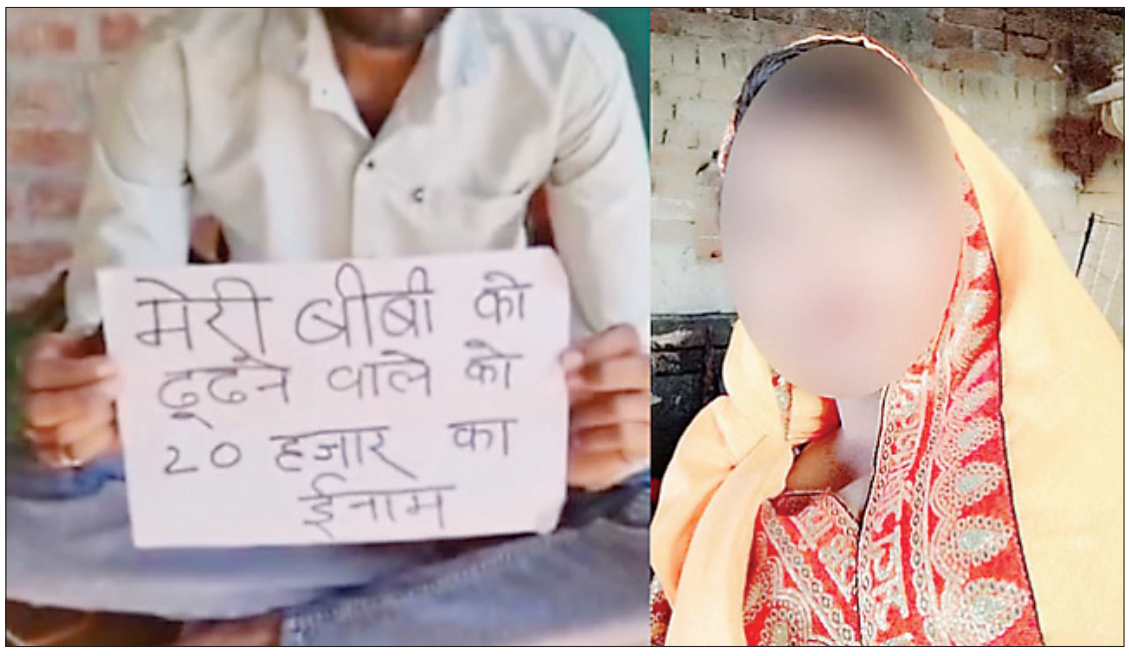

इटावा में चचिया ससुर पर बहू के अपहरण करने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी चचिया ससुर और दो बच्चों की मां की तलाश जारी है। एसएसपी के आदेश पर गुमशुदगी की रिपोर्ट अपहरण में तरमीम की गई है।

यूपी के इटावा जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। इटावा जिले में एक शख्स की पत्नी अपने चाचा ससुर के साथ फरार हो गई है। महिला अपने साथ दो बेटियों को भी लेकर गई है। पीड़ित पति ने पत्नी और बच्चों को ढूंढने वाले को 20 हजार रुपये का इनाम देने का एलान किया है।

उधर, एसएसपी के निर्देश पर ऊसराहार थाना पुलिस ने रविवार रात चचिया ससुर पर दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट को अपहरण में तरमीम (तब्दील) किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपी को खोजने के लिए सर्विलांस की मदद ली है। ताखा क्षेत्र में चचिया सुसर डेढ़ माह पहले बहू लेकर चला गया था।

ऊसराहार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पति ने शनिवार को एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव को प्रार्थना पत्र देकर पत्नी की खोज कर आरोपी चचिया सुसर को पकड़ने की गुहार लगाई थी। एसएसपी ने आरोपी चचिया ससुर पर दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट को अपहरण में तरमीम करने के आदेश थानाध्यक्ष को दिए।

थानाध्यक्ष बलराम मिश्रा ने आरोपी चचिया सुसर पर बहू पर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर उसकी खोज तेज कर दी है। बता दें कि तीन अप्रैल को आरोपी चचिया ससुर नंदराम तीन बच्चों की मां को लेकर चला गया था। इस मामले में पीड़ित पति की तहरीर पर तत्कालीन थानाध्यक्ष मंसूर अहमद ने चचिया ससुर के खिलाफगुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी। डेढ़ माह का समय बीत जाने के बाद आरोपी चचिया ससुर नंदराम का कोई सुराग नहीं लगा।

पति को अभी भी पत्नी के घर लौटने की उम्मीद : उधर, पीड़ित पति का कहना है कि उसकी पत्नी घर वापस आ जाए तो वह उसे अभी भी घर पर रख लेगा। वहीं पुलिस ने भी पत्नी को खोजने के लिए दो टीमों को लगाया है। ऊसराहार थाना इलाके के एक गांव से डेढ़ माह पहले अपने चचिया ससुर नंदराम (45) के साथ 28 वर्षीय बहू गायब हो गई।

14 मई को एसएसपी से की शिकायत : तब से अब तक डेढ़ माह बीत गया है, लेकिन पीड़ित पति को पत्नी का कोई सुराग नहीं मिला है।

पीड़ित पति ने पूरे मामले को लेकर 14 मई को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश श्रीवास्तव से भी शिकायत की। ऊसराहार थाने में अब थानाध्यक्ष भी बदल गए हैं नए थानाध्यक्ष बलराम मिश्रा ने पीड़ित को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। पति अपनी पत्नी को खोजने में वह अब तक करीब दो लाख रुपये खर्च कर चुका है।

पत्नी को भगाकर ले जाने का आरोप

पति अपनी खुद की कार चलाता है तीन अप्रैल को वह जब कानपुर गया था तो उसी दौरान उसकी पत्नी अपनी आठ साल और दो साल की बेटी के साथ गायब हो गई। पति ने उस समय अपने पारिवारिक चाचा पर ही पत्नी को भगाकर ले जाने का आरोप लगाया था। उसने थाने में तीन अप्रैल को थानाध्यक्ष मंसूर अहमद को नामजद तहरीर भी दी थी लेकिन थानाध्यक्ष ने तहरीर बदलवा गुमशुदगी दर्ज कर दी थी।

पीड़ित पति अब भी पत्नी को साथ रखने के लिए तैयार

पीड़ित पति का कहना है कि उसे सबसे ज्यादा चिंता अपनी दो बेटियों की है, पता नहीं वो किस हाल में होंगी। यदि उसकी पत्नी अभी भी घर वापस लौट आए तो वह उसे खुशी-खुशी घर रखने के लिए तैयार है, पत्नी के लौटने से उसकी बेटियों का भविष्य बन जाएगा।

पुलिस की दो टीम तलाश में लगी

उसने पत्नी का पता बताने वाले को बीस हजार रुपये का इनाम देने की भी घोषणा की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष बलराम मिश्रा ने बताया पूरा मामला उनके थाने में चार्ज लेने से पहले का था, इसलिए जानकारी में नहीं आया था। अब वह पीड़ित की हर संभव मदद में जुटे हैं। कुछ नंबरों को सर्विलांस पर लगाया जा रहा है पुलिस की दो टीम भी खोजबीन में लगीं हैं।

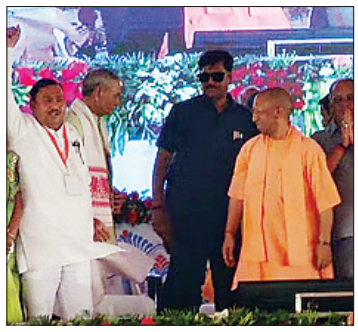

दुश्मन को सिखाया ऐसा सबक... याद रखेगा : सीएम योगी

आगरा। कासगंज पहुंचे सीएम योगी ने 724 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास कर रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कासगंज पहुंच चुके हैं। वे करीब 11.27 बजे पुलिस लाइन पहुंचे। यहां पर उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप जलाकर और माल्यार्पण कर कायक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी को रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन सहित अन्य विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। करीब पौने तीन घंटे तक सीएम जिले में रहेंगे।

इस दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश नया उत्तर प्रदेश बन रहा है। एक बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदेश में विकसित हो रहा है। कासगंज के लिए आज का दिन इतिहास का दिन है,क्योंकि 724 करोड़ की विकास योजनाओं को मूर्त रूप मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि सोरों का विकास अयोध्या की तर्ज पर होगा। उन्होंने जिले में म्यूजियम बनाने, दरियागंज झील और नदरई पुल के के सौंदर्यीकरण की परियोजना को भी मंजूरी दी है।

सीएम योगी ने 724 करोड़ की विकास परियोजना का लोकार्पण करते हुए कहा कि यह सौभाग्य है कि भगवान बाराह की जन्म स्थली पर आने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि यहां की धरा को नमन करता हूं। आगे कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि भारत की सेना ने ऐसा सबक दुश्मन को सिखाया है, जो वो याद रखेगा। भारत ने बता दिया है कि हमारे एक भी नागरिक की जान जाएगी, तो दुश्मन को उसके घर में घुस कर मारेंगे।

बस्ती में पांच साल की मासूम को अगवा कर हैवानियत, फिर मार डाला

बस्ती। बस्ती में पांच साल की मासूम को अगवा कर हैवानियत की गई, फिर गला घोंट कर हत्या कर दी गई। जिला महिला अस्पताल की एक महिला डॉक्टर सहित तीन डॉक्टरों के पैनल ने मासूम का पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट में अत्यंत बेरहमी से उसकी हत्या की बात बताई जा रही है।

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच साल की मासूम को अगवा कर हैवानियत के बाद उसका गला घोंट कर हत्या कर दी गई। रविवार देर रात मासूम का शव गांव के बाहर कब्रिस्तान के पास मिला। शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। मासूम के पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफहत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी समेत पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने जांच के दौरान 20 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की है। जानकारी के अनुसार, पांच वर्षीय मासूम पास के ही एक स्कूल में कक्षा एक की छात्रा थी।

फर्जी मार्कशीट से बन गया बीएसए!

शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार की पोल खोल रही ये रिपोर्ट

» भदोही, स्वाराज ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। प्रतापगढ़, गोरखपुर और अब भदोही में तैनात रहे बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) भूपेंद्र नारायण सिंह की बीएड की मार्कशीट फर्जी पाई गई है।

हाल ही में कराई गई विभागीय जांच में इसका खुलासा हुआ, जिसने शिक्षा विभाग की कायज़्प्रणाली और नियुक्ति प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर न सिर्फउन्होंने वर्षों तक अहम पद पर कार्य किया, बल्कि इस दौरान सुविधा शुल्क लेकर ट्रांसफर-पोस्टिंग जैसे मामलों में जमकर खेल किया। बताया जा रहा है कि इस अवैध कमाई का लाभ उन्होंने न सिर्फ खुद उठाया, बल्कि अपने गांव और रिश्तेदारों तक को भी इसका फायदा पहुंचाया।

मामले के उजागर होते ही शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। सूत्रों का कहना है कि जल्द ही उनके खिलाफविभागीय कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर भी दर्ज की जा सकती है। यह मामला राज्य सरकार के उस दावे को भी कटघरे में खड़ा करता है, जिसमें पारदशिज़्ता और भ्रष्टाचारमुक्त शासन की बात कही जाती रही है।